ऐसी भक्ति है सतगुरु की नर से नारायण करदे लिरिक्स

ऐसी भक्ति है सतगुरु की,
नर से नारायण करदे,
नारायण करदे,
नर से नारायण करदे,
ऐसी भक्ति हैं सतगुरु की,
नर से नारायण करदे।bd।

माया अविध्या ईस जीव को,
दोय लगे पर्दे,
द्वेत उपाधि बात करें,
ब्रह्म लक्ष्य निज धरदे,
ऐसी भक्ति हैं सतगुरु की,
नर से नारायण करदे।bd।

दृढ़ अपरोक्ष जो तत्वों मसी का,
लक्ष्य भाव भर दे,
जीव भाव कर दूर हीनता,
चेतन पद वर दे,
ऐसी भक्ति हैं सतगुरु की,
नर से नारायण करदे।bd।

देह अभीमान शीश जिज्ञासु,
गुरुचरणा दर्दे,
जीवन मुक्ति रहे निज पद में,
धर नही फिर दे,
ऐसी भक्ति हैं सतगुरु की,
नर से नारायण करदे।bd।

चेतन भारती गुरु को,
शिष्य अगर वचन सर्दे,
भारती पूर्ण सारी व्यापी,
गुरु सेज हरदे,
ऐसी भक्ति हैं सतगुरु की,
नर से नारायण करदे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ऐसी भक्ति है सतगुरु की,
नर से नारायण करदे,
नारायण करदे,
नर से नारायण करदे,
ऐसी भक्ति हैं सतगुरु की,
नर से नारायण करदे।bd।

गायक – श्री पुरण भारती जी महाराज।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com